BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

भारतीय जैन संघटना समाचार

जुलै 2015
अंक 7

श्री शांतीलाल मुथ्था
संस्थापक

www.bjsindia.org

रचनात्मक सामाजिक सहयोग का पर्याय... भारतीय जैन संघटना

राष्ट्रीय अध्यक्ष
की कलम से–2

इनसे मिलिये भा. जै. स. के
राष्ट्रीय मंत्री श्री संजय सिंगी–2

सामाजिकता की नवअवधारणाओं
के पथ पर अग्रसर – भा. जै. स.–3

भा.जै.सं. कार्यक्रम एवं
गतिविधी एवं चित्र समाचार– 4-5

भा.जै.सं. योजनाएं एवं
कार्यक्रम – एक दृष्टिपात– 6

अल्पसंख्यक सूचनाएं
जानकारी एवं समाचार–7

iBuD
युवा उद्यमी कार्यक्रम – 8

राष्ट्रीय अध्यक्ष की कलम से ....

प्रिय आत्मजन्,

वर्ष 2015 के 7वें माह मे प्रवेश करने के साथ हम सभी ने आधे वर्ष की यात्रा पूर्ण की है. इस मुकाम पर निश्चित ही यह आंकलन का विषय है कि गत 6 माह में हमने समाज हेतु क्या किया? हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि भिन्न भिन्न आयु समुह के सदस्यों के जीवन को हम कितना प्रकाशित कर सके व हमारे द्वारा किये जा रहे प्रयास क्या वास्तव में अर्थपूर्ण एवं परिणामलक्षी हैं ?

भारतीय जैन संघटना पिछले 30 वर्षों से समाज व देश की सेवा में कार्यरत संस्था है जिसने अपनी विशिष्ट कार्यशैली के माध्यम से देश में ही नहीं विदेश में भी पहचान बनाई है व जैन समाज को योग्य तथा सम्मानजनक स्थान पर ले जाने हेतु संकल्पबद्ध है. भा.जै.सं. समाज व देश की वर्तमान समस्याओं, परिवर्तनों के परिणामस्वरूप समाजजन् की बदलती आवश्यक्ताओं आदि पर लक्ष्य कर उनके समाधान हेतु तो कार्यरत है ही साथ ही भविष्य में आनेवाली समस्याओं पर अनुसंधान आधारित अध्ययन से नवीन कार्यक्रमों के निर्माण व उनकी सामयिक प्रस्तुति से समाज व राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में रचनात्मक सहयोग कर रहा है.

इस वर्ष जहाँ अनेक नये कार्यक्रमों को समाजजन् तक पहुँचाने का भागीरथ कार्य हुआ है वहीं दूसरी ओर समाजपयोगी अनेक वर्तमान योजनाओं एवं कार्यक्रमों को प्रभावी व परिणामलक्षी बनाने हेतु समय की मांग के अनुरूप परिवर्तन भी किया गया है. वर्ष 2014 में केन्द्र सरकार के द्वारा जैन समुदाय को स्वीकृत किए गये अल्पसंख्यक दर्जे के अनुसंधान में अल्पसंख्यक लाभों पर राष्ट्रव्यापी जनजागृति अभियान प्रारम्भ किया गया ताकि देश के प्रत्येक जैन परिवार तक अल्पसंख्यक लाभों की व उन्हें प्राप्त करने के तरीकों की जानकारी पहुंचायी जा सके. इस अभियान को सुनियोजित व अर्थपूर्ण स्वरूप प्रदान करने हेतु 50 से अधिक प्रशिक्षक तैयार किए गये हैं व समाजजन् को लाभान्वित करने हेतु विविध सेवाएं प्रारम्भ की गई जिसका विवरण इस अंक मे प्रकाशित कर रहे हैं. भा.जै.सं. के संस्थापक श्री शांतिलाल मुथ्था द्वारा प्रस्तुत वैवाहिक रिश्ते तय करने की नवीन पद्धति पर व्याख्यानमालाओं का आयोजन, समाजजन् द्वारा इस विषय में अनुभव की जा रही परेशानियों के निराकारण स्वरूप है. इसी अनुसंधान में गत 25 वर्षों से आयोजित किये जा रहे "युवक युवति परिचय सम्मेलनों" के स्वरूप व अवधारणाओं मे परिवर्तन कर "मेट्रीमोनिअल-गेट-टू-गेदर" का आयोजन अगस्त माह में पूणे मे होगा जो निश्चित ही प्रभावी व कारगर होने के साथ समय की मांग के अनुरूप अनेक समस्याओं के समाधान में क्रांतिकारी कदम साबित होगा.

तीव्र गति से हो रहे परिवर्तनों एवं वैश्विकरण का मानव जीवन के विविध पहलुओं पर स्पष्ट प्रभाव दृष्टिगोचर हो रहा है. अब व्यापार व व्यवसाय की परिभाषाएं भी बदली हैं, फलस्वरूप पंरपरागत तरीकों से व्यापार करने वाले समाज को अब अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है. युवा वर्ग जो व्यवसायरत है या व्यवसाय से जुड़ना चाहता है इस वास्तिवकता से उन्हें अवगत कराना अंत्यत ही आवश्यक है कि स्पर्धा, तकनीकी, प्रबंधन जैसे विषयों को समझ कर ही अब सफल व्यवसाय का संचालन किया सकता है, भा.जै.सं. युवाओं हेतु एक नवीन कार्यक्रम i-BuD(Igniting Business Devlopment) लाया है जिसमें उन्हें सक्षम कर उद्यमी बनाने का अवसर प्रदान करने की प्रबल संभावना हैं. मुझे विश्वास है कि इस कार्यक्रम से शिक्षित युवाओं हेतु व्यवसाय व उद्यम के नये द्वार खुल सकेंगे. इसके अतिरिक्त वर्तमान में चलाये जा रहे व्यापार विकास कार्यक्रम को गहनता प्रदान की जा रही है व आने वाले समय में व्यवसायियों व उद्यमियों हेतु ऐसे शिविरों के आयोजन की योजना है जिससे वे चुनौतियों का सामना करते हुए सफल उद्यमी बन सकेंगे.

भा.जै.सं. के कार्यक्रमों के गुलदस्ते में युवती सक्षमीकरण, युगल सक्षमीकरण, अल्पसंख्यक लाभ जनजागृति अभियान, विद्यार्थी कॅरिअर मार्गदर्शन, स्टुंडड असेसमेंट, व्यापार विकास कार्यक्रम आदि हैं जिनके माध्यम से समाजजन् व उनके परिवारों को समृद्ध बनाने व खुशहाली प्रदान करने का यह अविरत रचनात्मक प्रयास है जिसे गतिमान रखने हेतु आईये हम सभी संकल्पित हों.

भा.जै.सं. के नवीन प्रयासों मे देश विदेश की विभिन्न संस्थाओं के साथ समाज व राष्ट्र हित में मिलकर कार्य करने की योजना है. मैं इसी माह JAINA Convention USA में उपस्थित रहा. वहां मुझे JAINA एवं अर्न्तराष्ट्रीय जैन समाज के नेतृत्वकारों से विचार विमर्श का अवसर प्राप्त हुआ. विद्यार्थियों एवं युवाओं के कल्याण तथा उन्हें निर्देशित करने व उनके समुचित विकास की योजनाओं के निर्माण संबंधी विषय पर मुझे अंतराष्ट्रीय सहयोग की आशास्पद संभावनाएं नज़र आती हैं.

मित्रों ! इस अंक मे भा.जै.सं. की विविध योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी प्रकाशित की गई है. आपसे प्रार्थना है कि इन्हें समाज हित में प्रचार प्रसार करें व अपनाएं ताकि समृद्ध तथा प्रगतिशील समाज के निर्माण में हम सभी सहभागी बन सकें.

प्रफुल्ल पारख,
राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय जैन संघटना

BJS भारतीय जैन संघटना समाचार
जुलै 2015 अंक 7
www.bjsindia.org

संपादक मण्डल

संपादक
प्रफुल्ल पारख, पुणे

कार्यकारी संपादक
निरंजन कुमार जुवाँ जैन, अहमदाबाद

सदस्य
कैलाशमल दुगड़, चैन्नई
सुरेश कोठारी, अहमदाबाद
सुदर्शन जैन, बडनेरा
वीरेंद्र जैन, इंदौर
महेश कोठारी, गोंदिया
संजय सिंगी, रायपुर
राजेंद्र लुंकड़, इरोड

इनसे मिलिये

भारतीय जैन संघटना के राष्ट्रीय मंत्री श्री संजय सिंगी, रायपुर (छत्तीसगढ)

भारतीय जैन संघटना के युवा स्तंभ श्री संजय सिंगी उद्योगपति हैं. आपकी रायपुर स्थित औद्योगिक इकाई में फायबर ग्लास व फोसिंग वायरमेश का उत्पादन होता है. आपने B.E. (Chemical Engineering) में किया है. आपकी धर्म में गहरी आस्था एवं रूचि है, अतएव आपने जैन दर्शन पर गहन अध्ययन एवं शिक्षण ही प्राप्त नहीं किया अपितु MA (JAIN Philosophy) में भी किया.

श्री सिंगी भा.जै.सं. से वर्ष 2007 में जुड़े. आपकी धर्मपत्नि श्रीमती सुमन सिंगी के सतत आग्रह पर आपने युवती सक्षमीकरण प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लिया. आपकी समाज को किसी भी स्थिति में श्रेष्ठ प्रदान करते रहने की भावना का ही प्रतिफल है कि आपको युवती सक्षमीकरण कार्यक्रम का मुख्य प्रशिक्षक वर्ष 2009 में नियुक्त किया गया. अब तक आपने 7 प्रशिक्षण कार्यशालाओं के माध्यम से 60 प्रशिक्षक तैयार किये हैं. आपने स्वयं 30 युवती सक्षमीकरण कार्यशालाएं ली हैं व 2000 से अधिक युवतियों को सक्षम करने का सौभाग्य प्राप्त किया है.

आप वीरल व्यक्तित्व के धनी हैं व किसी भी परिस्थिति में सामान्य रह कर वास्तविकताओं व सही विचारों को स्वीकार करते हैं, परिणामस्वरूप आपमें निहित प्रकृतिक प्रदत्त क्षमताओं का आप भरपूर प्रयोग सफलताओं के साथ करते हैं. आप धैर्य के साथ सामाजिक उत्तरदयित्वों के निर्वहन हेतु संकल्पित रहते हैं व आपका मानना है कि परिवर्तनों हेतु समय की सीमा नहीं होती. आप युवा वर्ग की क्षमताओं व प्रतिभा पर विश्वास करते हुए योग्य मार्गदर्शन देने हेतु उन्हें प्रशिक्षित करने के पक्षधर हैं. आपका मानना है कि स्वस्थ रहकर ही जीवन के विभिन्न उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सकता है. मनोरंजक व रोमांच से भरपूर जीवन जीने की ललक आपकी विशेषताओं में है.

आप भा.जै.सं. युगल सक्षमीकरण कार्यक्रम के भी मुख्य प्रशिक्षक हैं व आपने अब तक 4 प्रशिक्षण कार्यशालाओं के माध्यम से 25 प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान किया है तथा 300 युगलों को सक्षम कर उनके जीवन में खुशहाली लाने का कार्य कर चुके हैं. आप परिवार व वैवाहिक मामलों के परामर्शदाता हैं. आप Skill Development Committee NIT, Raipur के अध्यक्ष तथा छत्तीसगढ जैन युवा मोर्चा के संरक्षक हैं. भा.जै.सं. के राष्ट्रीय मंत्री के दायित्व में समाज को अमूल्य सेवाएं प्रदान कर रहे हैं. आप श्री शांतिलालजी मुथ्था के विचारों से अत्याधिक रूप से प्रभावित हैं व उन्हें अपना आदर्श मानते हैं.

सामाजिकता की नवअवधारणाओं के पथ पर अग्रसर – भारतीय जैन संघटना

मानव एवं समाज सिक्के के दो पहलु हैं. समाज के बिना मनुष्य जीवन की कल्पना ही निरर्थक है. मानव के उत्थान एवं विकास की प्रक्रिया समाज में अविरत रूप से गतिमान रहती है किन्तु समय की मांग के अनुरूप इन प्रक्रियाओं में समयोचित परिवर्तनों के साथ समाज को निर्देशित करने के उद्देश्य से समय समय पर व्यक्ति एवं संस्थाएं उत्तरदायित्वों का निर्वहन करते आ रहे हैं.

भा.जै.सं. के संस्थापक श्री शांतिलाल मुथ्था देश के श्रेष्ठ सामाजिक वैज्ञानिक हैं जो समाज में व्याप्त असंतुलनों को कम करने व समाज को योग्य दिशा देने हेतु अनेक वर्षों से कार्यरत हैं. यह उनकी दूरदृष्टी का ही परिणाम है कि भा.जै.सं. समाज उत्थान एवं विकास की अनेक परियोजनाओं पर कार्यरत है जिनमें 'युवक –युवति परिचय सम्मेलन', 'सामुहिक विवाह' एवं युवा वर्ग की साम्प्रत समस्याएं एवं आवश्यक्ताएं प्रमुख हैं. तीस वर्षों के अविरत प्रयासों एवं रचनात्मक सेवाकीय कार्यों से भा.जै.सं. समाज को दिशा निर्देशित करने का पर्याय बन चुका है.

समाज एवं सृष्टी के अस्तित्व को टिकाये रखने हेतु विवाह एक सर्वमान्य सामाजिक व्यवस्था है. भिन्न भिन्न दशकों, शताब्दियों एवं कालो में विवाह से संबंधित अनेक समस्याओं का सामना समाज करता रहा है. इतना ही नहीं, दहेज जैसी प्रथाओं के दूषण से समाज रोगग्रस्त हुआ वहीं दूसरी ओर वैवाहिक कार्यक्रमों में अपव्यय का प्रचलन भी चरम सीमा पर पहुँचा. भा.जै.सं. सामुहिक विवाह की अवधारणा को आज से लगभग तीन दशक पूर्व लेकर आया, परिणामस्वरूप समस्याओं के समाधान हेतु रचनात्मक प्रयासों का शुभारंभ हुआ. यह हर्ष का विषय है कि सामुहिक विवाह की अवधारणा को समाज ने वृहद स्तर पर स्वीकार किया.

भा.जै.सं. ने युवाओं में समय के साथ बदलती वैवाहिक अपेक्षाओं का निरंतर अध्यन किया व पाया कि अभिभावकों एवं संतानों की इस विषय में सोच व अवधारणाएं तथा मापदंड भिन्न भिन्न होते जा रहे हैं. इसी कारण से एक ओर वैवाहिक रिश्तें तय कर पाना कठिन होता जा रहा है वहीं दूसरी ओर रिश्ते टिकाने भी दुष्कर हो रहा है. समस्या के समाधान में श्री मुथ्था ने "वैवाहिक रिश्ते तय करने की नवीन पद्धति" प्रस्तुत की जो समाज हेतु प्रासंगिक तो हे ही साथ ही भविष्य में उद्भवित होने वाली समस्याओं के समाधान में भी उसके कारगर साबित होने की संभावना है.

भा.जै.सं. ने समाज को " वैवाहिक रिश्ते तय करने की नवीन पद्धति" से समाजजन् को अवगत कराने हेतु विशेष व्याख्यानमाला प्रारंभ की है. इस हेतु भा.जै.सं. के वरिष्ठ पदाधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया है. इस प्रयास का मुख्य उद्देश्य वैवाहिक रिश्ते तय करने में परिवारों के समक्ष आ रही कठिनाईयों से समाजजन् को अवगत कराते हुए उस वैचारिक खाई को पाटना है, जो अभिभावकों एवं युवा वर्ग के बीच उत्पन्न हुई है व उस पथ का भी निर्माण भी करना है, जिस पर दोनो ही पीढ़ीयां आसानी से चल सकें. इस नवीन विचारधारा की मुख्य विशेषता यह है कि युवा पीढ़ी को उनके अभिभावकों के मार्गदर्शन में स्वयं का जीवन साथी चुनने की अनुमति मिलती है. इस के साथ ही अभिभावक एवं युवा पीढ़ी दोनों को मान्य एवं पसंदीदा पात्र चुनने का अवसर मिलेगा जो निश्चित ही सुखी वैवाहिक जीवन के साथ सुखी परिवार की कल्पना को सार्थक करने हेतु कारगर साबित होगा.

इसी अवधारणा पर आधारित "मेट्रीमोनिअल गेट–टु–गेधर" का भा.जै.सं. द्वारा आयोजन 22 अगस्त, 2015 को पुणे में होगा जिसमें एक नवीन तरीके से जीवनसाथी चयन के संबंध में वहां उपस्थित प्रत्याशियों को अन्य प्रत्याशियों से बातचीत करने व समझने का अवसर प्राप्त होगा. यह अब तक आयोजित होते रहे 'युवक युवति परिचय सम्मेलनों' से भिन्न होगा क्योंकि इसमें प्रत्याशियों को उनकी आकांक्षाओं एवं विचारधाराओं के अनुरूप पात्र खोजने में सहजता प्राप्त होगी. इस "मेट्रीमोनिअल गेट–टु–गेधर" में सम्पूर्ण रूप से नवीन पद्धति पर कुछ गतिविधियां आयोजित की जाएगी जिसमें ये प्रत्याशी भाग लेकर अन्य प्रत्याशियों को बहेतर तरीकों से समझने के साथ उनकी विशेषताओं, आदतों, आदर्शों एवं रूचियों को जानने का अवसर प्राप्त करेंगे जो अब बदले हुए सामाजिक परिद्रश्य मे वैवाहिक रिश्ते तय करने हेतु अत्यंत आवश्यक है. प्रत्याशी द्वारा बतलाई गई पात्र संबंधी पसंदगी व विवरण से अब अभिभावकों को पुत्र/पुत्री हेतु जीवनसाथी चयन में सहजता व सरलता प्राप्त तो होगी ही व उनकी कठिनाईयों का भी अन्त होगा.

युगल सक्षमीकरण कार्यक्रम, यह भा.जै.सं. द्वारा प्रदत्त एक ऐसा मंच है जहां पति–पत्नि दोनों एक दूसरे को किन दृष्टिकोणों से बेहतर समझ सकते हैं व परस्पर संबंधों में की प्रगाढ़ता किस तरह बढ़े आदि विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारी व मार्गदर्शन प्राप्त करते हैं. सुखी परिवार की कल्पना को साकार करने के उद्देश्य से निर्मित इस कार्यक्रम में उन मुद्दों को समझाया जाता है, जिनसे वे अपने जीवनसाथी की आदतें, रूचियां, आदर्श एवं महत्वकांक्षाओं को एक नये व सकारात्मक दृष्टिकोण से देखने व समझने लगते हैं. विभिन्न सत्रों व गतिविधियों के माध्यम से इस दो दिवसीय कार्यशाला में पति पत्नि दोनों ही नकारात्मक विचारों को तिलांजली देकर वैचारिक साम्यताओं के साथ परस्पर प्रेम व सम्मान के नवपथ पर एक साथ कदम रखते हैं.

श्री शांतिलाल मुथ्था के अनुभवों एवं दूरदृष्टि के आधार पर अविरत सामाजिक अनुसंधान द्वारा भा.जै.सं. वैवाहिक संबंधों को प्रगाढ़ बनाने एवं वैवाहिक जीवन में खुशहाली लाने हेतु कार्यरत होकर सुखी व प्रगतिशील समाज के निर्माण में रचनात्मक भूमिका का निर्वहन कर रहा है.

अमेरिका स्थित जैन संगठन JAINA के अधिवेशन मे भारतीय जैन संघटना के राष्ट्रीय अध्यक्ष की उपस्थिति

JAINA अमेरिका स्थित जैन समाज का सबसे बड़ा संघटन है. जिसके अमेरिकी सरकार व विश्व के जैन नेतृत्वकारो के साथ सुदृढ संबंध हैं. JAINA के द्विवर्षीय अधिवेशन मे विश्व के अनेक देशों के जैन नेतृत्वकारों को आमंत्रित किया जाता है. यह जैन समाज की वैश्विक एकता, विचारों आदि के आदान प्रदान हेतु सर्वश्रेष्ठ मंच है.

भा.जै.सं. का JAINA से संबंध 1993 मे स्थापित हुआ जब लातुर (महाराष्ट्र) मे आये भूकंप मे उन्होंने बचाव व राहत कार्य में सहयोग प्रदान किया, तभी से JAINA एवं भा.जै.सं. मध्य सुदृढ सामाजिक एवं सांस्कृतिक संबंधों के विकास का अध्याय प्रारंभ हुआ. संस्थापक श्री शांतिलाल मुथ्था को JAINA के अधिवेशनों मे अनेक बार निमंत्रित किया गया. वर्ष 1994 में श्री मुथ्था JAINA Convention में उपस्थित रहे व साथ ही अमेरिका के 25 शहरों में समाजजन् को संबोधित भी किया.

गतवर्ष भा.जै.सं. के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद का उत्तरदायित्व संभालने के पश्चात श्री प्रफुल्ल पारख इस माह अंटलाटा (अमेरिका) मे आयोजित JAINA Convention 2015 में मेहमान वक्ता के रूप मे उपस्थित रहे व ट्रॅक 2 पर 4 जुलाई को "Changing Community Profile" पर संबोधन किया.

इस प्रवास मे श्री पारख ने प्रो. दिलीप जैन–केलोग विश्व विद्यालय, नवनियुक्त JAINA अध्यक्ष श्री अशोक दमाडिया–सेनफ्रान्सिस्को, कन्वेशन मे विभिन्न देशो के निमंत्रित प्रवासी वक्ताओं से इतिहास अनुसंधान, विकास की गतिविधियों, जैन समाज की स्थानीय एवं वैश्विक समस्याओं तथा उनके स्तर पर किये जा रहे प्रयासों पर चर्चा की. यह अधिवेशन विश्व के जैन नेतृत्वकारों के मध्य संबंधो के विकास हेतु सशक्त माध्यम बन पडा है. श्री पारख के अनुसार "हम चाहते है कि समाज के सम्पूर्ण विकास हेतु विभिन्न देशों की संस्थाओ से अनुबंध की आवरदा दीर्घायु हो. इस उद्देश्य के साथ जैन समाज के सभी नेतृत्वकारों को भा.जै.सं. के आगामी राष्ट्रीय अधिवेशन मे आमंत्रित करने की योजना है.

हम यह भी चाहते है कि भा.जै.सं. के वरिष्ट पदाधिकारी आनेवाले समय मे JAINA Convention व अन्य देशों के जैन समाज के कार्यक्रमों में भाग लें ताकि वे जैन समाज की वैश्विक स्थितियों से अवगत होकर विश्व बंधुत्व को वृहदता एवं सुदृढता प्रदान कर सके ".

श्री प्रफुल्ल पारख ने अमेरिका मे सामुदायिक सभाओं को न्युयॉर्क, न्युजर्सी एवं वाशिंग्टन मे 25 व 26 जुलाई को संबोधित किया जिसमें उन्होंने भा.जै.सं. के इतिहास एवं कार्ययोजना पर प्रकाश डाला. श्री नितीन अजमेरा, श्री बी. सी. जैन एवं डॉ. सुशिल जैन द्वारा इन सभाओं का आयोजन किया गया. प्रवचन के पश्चात समाजहित मे संयुक्त कार्य–योजनाओं व वैश्विक सामाजिक एवं सांस्कृतिक संबंधों को सुदृढता प्रदान करने की संभावनाओ पर विचार विमर्श किया गया.

भा.जै.सं. की योजनाएं एवं कार्यक्रम – एक दृष्टिपात

भा.जै.सं.समाज व राष्ट्र हित में परिणामलक्षी कार्यक्रमों का निर्माण व प्रस्तुति करता रहा है तथा शिक्षा , समाज, युवा वर्ग, नारी, स्वास्थ्य, कॅरिअर व अल्पसंख्यक आदि विषयों पर कार्यरत है, जिनका विवरण हम यहां प्रस्तुत कर रहे हैं.

व्यापार विकास दीप प्रज्ज्वलन

i-BuD (Igniting Business Devlopment)

उभरते उद्यमियों व वर्तमान व्यापार से उद्यम की ओर प्रवृत्त होने वाले युवा वर्ग हेतु प्रवास आधारित यह कार्यक्रम अप्रेल 2015 में आयोजित किया गया जिसमें देश भर से चुनिंदा 50 युवा उद्यमियों ने भाग लिया. 7 दिवसीय कार्यक्रम में पुणे, मुंबई, जलगांव, अहमदाबाद, इन्दौर, बैंगलोर व चेन्नई के विशिष्ट व्यावसायिक संस्थानों मे भ्रमण के साथ सफल व्यवसायियों व प्रबंध संस्थानों के प्रोफेसरों से विचार विमर्श करने के अवसर प्रदान किए गए. प्रतिभागियों ने प्रतिभाव देते हुए कहा कि यह जीवन परिवर्तन हेतु शिक्षण व अनुभव प्राप्त करनेका श्रेष्ठतम् कार्यक्रम है. इस कार्यक्रम में भाग लेने के पश्चात जहां एक ओर प्रतिभागी नवीन उद्यमों की स्थापना हेतु सक्षम हुए हैं वहीं पुराने व पारंपरिक व्यापार को उद्यम में परिवर्तित करने हेतु नवीन एवं अभिनव विचारों से सुसज्जता प्राप्त की है. अगला कार्यक्रम 28 सितंबर से 3 अक्तुबर,2015 को आयोजित होगा.

पुणे स्थित भा.जै.सं. युथ सेल ने भी व्यवसाय विकास पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जिसमें विख्यात वक्ताओं को निमंत्रित किया गया जिन्होंने वर्तमान समय में व्यवसाय की नई तकनिकों पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को राष्ट्र की सामाजिक–अर्थिक स्थिति को सुदृढ बनाने हेतु आव्हान किया.

प्लॉस्टिक सर्जरी शिविर

प्रत्येक वर्ष दिसंबर व जनवरी माह में बिना मूल्य प्लॉस्टिक सर्जरी शिविरों का आयोजन भा.जै.सं. का देश में विशेष कर ग्रामीण क्षेत्र के देशवासियों हेतु मानवीय सेवाकीय उपहार है.

डॉ. शरद कुमार दिक्षित, पुणे वर्ष 1968 से प्लॉस्टिक सर्जरी शिविरों का आयोजन कर कटे होठं, तिरछी ऑखें, पलकों मे दोष, बेडोल नाक व चेहरे के विकारों से ग्रस्त रोगियों का उपचार करते रहे. 1992 में भा.जै.सं. ने सम्पूर्ण महाराष्ट्र में इन शिविरों का आयोजन किया व कालांतर में छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, तमिलनाडू, गुजरात, राजस्थान व उत्तर प्रदेश में भी आयोजन किया गया. अब तक 2.6 लाख रोगियों का सफल उपचार बिना मूल्य किया जा चुका है.

डॉ. शरद कुमार दिक्षित के 2011 में स्वर्गवास के पश्चात उनकी टीम के डॉ. राजलाला, डॉ. विजय मोरडिया, डॉ. लेरीविन्सटीन एवं डॉ. पराग संचेती ने इस मानवता सभर अभियान को गतिमान रखा है. गत कुछ वर्षों में भा.जै.सं. ने लायन्स व रोटरी क्लब आदि संस्थाओं के साथ संयुक्त उपक्रम में इस अभियान को वृहद स्वरूप प्रदान किया है व अब पुणे तथा महाराष्ट्र के बाहर बड़े स्तर पर प्लॉस्टिक सर्जरी शिविरों का आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है.

कॅरिअर गाईडेन्स

शिक्षा के बदलते नित नए स्वरूप, स्पर्धात्मक परीक्षाएं, नए पाठ्यक्रमों का आगमन व नवीन कॅरिअर के अवसरों ने अब विद्यार्थियों को छोटी उम्र से ही विशेष तैयारियों के लिए विवश किया है व उन्हें आवश्यक रूप से कॅरिअर संबंधी मुद्दों पर ध्यान देना पड़ता है. इस संबंध मे उनके द्वारा किये जा रहे प्रयासों को सही व योग्य दिशा देने की आवश्यक्ता है. विद्यार्थी एवं अभिभावक दोनों को यह जानकारी होनी ही चाहिए कि शिक्षा के कौन कौन से विकल्प उनके लिए उपलब्ध हैं.

भा.जै.सं. का "कॅरिअर गाईडेन्स" कार्यक्रम विद्यार्थियों को सही मार्गदर्शन एवं उपलब्ध उच्च शिक्षण विकल्पों की जानकारी देने तथा आवश्यक स्पर्धात्मक परीक्षाओं की तैयारी करने की सम्पूर्ण जानकारी प्रदान करने का एक सशक्त माध्यम बन चुका है. इस कार्यक्रम में अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा विद्यार्थी एवं अभिभावकों को मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है. वर्ष 2005 से चलाये जा रहे इस कार्यक्रम में अब तक 8 राज्यों के 50,000 से अधिक विद्यार्थिओं को मार्गदर्शन प्रदान किया है.

स्टुडंट असेसमेंट कार्यक्रम

बदलते परिवेश में आधुनिक तकनीकी के पदार्पण के पश्चात क्षमताओं व संवेदनात्मक स्थायित्व की विचारधारा युक्त बुद्धिजीवियों की मांग बढ़ी है. हमारी नई पीढ़ी ही हमारा भविष्य है अत: योग्य समय पर उनमें निहित क्षमताओं का मापन कर उनकी दक्षताओं मे बढ़ोतरी हेतु प्रयास आवश्यक है.

भा.जै.सं. द्वारा निर्मित कक्षा 4 के विद्यार्थियों के लिए यह ऑन लाईन कार्यक्रम www.bjssap.org पर उपलब्ध है. अभिभावक या अध्यापक इसमें विद्यार्थी को सहयोग कर सकते हैं. यह कार्यक्रम परीक्षा आधारित है जिसके माध्यम से विद्यार्थी के सामाजिक, शारीरिक एवं बौद्धिक विकास तथा संवेदनशीलता को मापा जाता है. इस परीक्षा को भिन्न सत्रों मे बाटाँ गया हैं व विद्यार्थी एक से अधिक प्रयासों मे इस परीक्षा को पूर्ण कर सकता है. यह परीक्षा पूर्ण करने पर विद्यार्थी को प्रिंटेड रिपोर्ट प्राप्त होती है जिससे उसकी नैसर्गिक क्षमताओं व अभिरूचियों के साथ विकास के क्षेत्रों का भी पता चलता है.

युवती सक्षमीकरण

वर्ष 2008 से ही 3 दिवसीय कार्यशालाओं का आयोजन समाजहित् में हो रहा है व अब तक 20,000 से अधिक युवतियों को सक्षम किया गया है. इस कार्यक्रम की उपयोगिता व आवश्यक्ता के मद्देनज़र, देश की समस्त युवतियों हेतु इस कार्यक्रम को उपलब्ध बनाने के उद्देश्य से विभिन्न राज्यों के शिक्षा विभागों एवं शिक्षण संस्थाओं से अब तक 100 से अधिक अनुबंध किये गए हैं व 500 से अधिक कार्यशालाओं का आयोजन हुआ है. 21वीं शताब्दी की चुनौतियां का सामना करने हेतु देश की बेटियों को सक्षम करना आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यक्ता है.

व्यवसाय विकास कार्यक्रम

वैश्विकरण की प्रक्रिया व आधुनिक तकनीकी व्यवसाय पर शिकंजा कसती जा रही है, परिणामस्वरूप व्यवसाय की परिभाषा एवं स्वरूप दोनों ही बदल रहे हैं. इन नवीन परिस्थितियों का प्रभाव समाज पर स्पष्ट रूप से पड़ा है व अनेक नए सामाजिक–आर्थिक समीकरणों की रचना हो रही है जो आनेवाले समय में व्यवसाय एवं उद्यम हेतु गंभीर चुनौतियों का संकेत हैं. भा.जै.सं. द्वारा युवाओं एवं व्यवसायियों हेतु अनेक कार्यक्रमों का निर्माण कर समाजजन् को चुनौतियों एवं समाधानो से अवगत कराने के प्रयास योजनाबद्ध तरीकों से किये जा रहे हैं.

व्यापार विकास कार्यशाला

वर्तमान में जो व्यवसायी पारंपारिक व्यवसाय से जुड़े हुए हैं, अवरित रूप से बदल रहे आर्थिक व व्यावसायिक माहौल से उन्हें परिचित रहने की आवश्यक्ता है, अत: भा.जै.सं. ने व्यापार विकास कार्यक्रम का निर्माण किया है, जिसमे मॅनेजमेंट गुरू राकेश जैन, चकोर गांधी आदि व्यापार विकास कार्यशालाओं के माध्यम से समाजजन् को आधुनिक व्यावसायिक जगत की लाक्षणिकताओं से अवगत कर योग्य मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं. इस कार्यक्रम का उद्देश्य व्यवसाय को स्पर्धात्मक माहौल में जीवित रखकर उच्च लाभ प्राप्ति हेतु मंत्र प्रदान करना है. अब तक 40 से अधिक कार्यशालाओं का आयोजन विभिन्न राज्यों में हुआ है.

अल्पसंख्यकता

भा.जै.सं. ने हिंदी व अंग्रेजी में अल्पसंख्यक लाभों के विभिन्न क्षेत्रों जैसे व्यापार, विद्यार्थी, शिक्षण संस्थान, धार्मिक संस्थान, महिलाएं व बिन सरकारी सामाजिक संस्थानों पर पुस्तके प्रकाशित की हैं. ये पुस्तके हमारी वेबसाईट www.bjsindia.org पर भी बिना मूल्य डाऊनलोड हेतु उपलब्ध हैं.

भा.जै.सं. द्वारा जून 2014 से अखिल भारत स्तरीय अल्पसंख्यक लाभ जनजाग्रति अभियान प्रारम्भ किया गया है जिसमें 8 राज्यो मे अब तक लगभग 200 कार्यशालाओं का आयोजन कर समाजजन् को अल्पसंख्यकता के अर्थ, महत्व एवं लाभों से अवगत कराने का प्रयास किया है. अल्पसंख्यकता से संबद्ध प्रश्नों के उत्तर पाने हेतु हेल्प डेस्क helpminority@bjsindia.org कार्यरत है तथा आपके उत्तर E-Mail से दिए जाते है. हाल ही में BJS Minority updates WhatsApp सेवा प्रारम्भ की है, जिसमें महत्वपूर्ण सूचनाएं एवं जानकारी नियमित रूप से समाजजन् को प्रेषित की जा रही है.

युवति सक्षमीकरण

राजश्री चौधरी, ग्वालियर

रत्नाकर महाजन,जावरा, मध्यप्रदेश

रत्नाकर महाजन,होशिंगाबाद

राजश्री चौधरी,धामनोद

शिल्पा नहार,राजकोट

अभिषेक ओसवाल,भावनगर

सुषमा गांधी, नासिक

उर्मिला झालावत, नासिक

मनिषा भंसाली, निमच

युवति सक्षमीकरण परिचय सत्र

अर्चना कर्नावत , नासिक

गणेश ओसवाल,मुंबई

रजनीश जैन,नागपूर

संजय सिंगी,इंदोर

राजेंद्र लुकंड, जोधपुर

उर्मी झालावत,नाशिक

युगल सक्षमीकरण

विनिता पारख,आनंद

बिझनेस डेव्हलपमेंट

राकेश जैन,आष्टा, मध्यप्रदेश

भा.जै.सं. कार्यक्रम एवं गतिविधीया एवं चित्र समाचारँ

अल्पसंख्यक लाभ कार्यशाला

श्री अशोक कुमार साकरिया, चेन्नई

राकेश जैन, मुंबई

साशा जैन, उज्जैन

निरंजन जुवाँ, मणिनगर,दर्यापुर अहमदाबाद

संजय आंचलिया, खरीयार रोड, उडीसा

राज्य पदाधिकारी प्रशिक्षण कार्यशाला

छत्तीसढ, रायपुर

राज्य कार्यकारिणी सभाएं

मध्य प्रदेश, इंदौर

तमिलनाडू, सेलम

मध्यप्रदेश में बी.जे.एस. आपके द्वार

बड़नगर, बद्नावर, रतलाम

जावरा, मंदसोर, निमच

मनासा, नागदा

खाचरोद, महिदपुर

राष्ट्रीय अध्यक्ष JAINA Convention 2015, USA मे

प्रो. दिलीप जैन-केलोग विश्व विद्यालय,

नवनियुक्त JAINA अध्यक्ष श्री अशोक दमाडिया

राकेश जैन, आष्टा

अल्पसंख्यक जैन समुदाय को उपलब्ध ऋण सुविधाएं

National Minorities Development & Finance corporation (NMDFC)

की रियायती ब्याज दर पर व्यापार, शिक्षा हेतु सावधिक ऋण (Term Loan) और सूक्ष्म–वित्त (Micro Credit) की योजनाएँ.

सावधिक ऋण – व्यापार / व्यवसाय हेतु

इस योजना के अंतर्गत निम्नलिखित क्षेत्रों में ऋण उपलब्ध हैं –

कृषि और उससे संबंधित | लघु उद्योग | तकनीकी व्यवसाय | कारीगरी एवं पारंपरिक व्यवसाय | ट्रांसपोर्ट एवं सेवाकीय क्षेत्र

– क्रेडिट लाईन 1

पात्रता : पारिवारिक वार्षिक आय सीमा –
ऋण सीमा : ग्रामीण क्षेत्र Rs. 81,000 और शहरी क्षेत्र Rs. 1.03 Lakh Rs. 20 Lakh
ब्याज दर : ६% प्रतिवर्ष

– क्रेडिट लाईन 2

पात्रता : पारिवारिक आय सीमा Rs. 6.00 लाख प्रतिवर्ष या कम (OBC CREAMY LAYER) नियमों के अधीन
ऋण सीमा : Rs. 30 Lakh (प्रोजेक्ट कीमत की अधिकतम 75 % राशी)
ब्याज दर : 8% पुरुष एवं 6% प्रतिवर्ष महिला व्यवसाईयों हेतु

सावधिक ऋण – शिक्षा हेतु

– क्रेडिट लाईन 1

पात्रता : पारिवारिक वार्षिक आय सीमा–
ऋण सीमा : ग्रामीण क्षेत्र Rs. 81,000 और शहरी क्षेत्र में Rs. 1.03 Lakh Rs. 15.00 Lakh Professional Job Oriented Degree Courses के लिए देश में अध्ययनरत हेतु अधिकतम 5 वष© @ Rs. 3.00 प्रतिवर्ष और विदेश में अध्ययन हेतु Rs. 20.00 Lakhs 5 वर्ष @ Rs. 4.00 Lakh प्रतिवर्ष की दर से
ब्याज दर : 3 % प्रतिवर्ष

– क्रेडिट लाईन 2

पात्रता : पारिवारिक वार्षिक आय Rs. 6.00 Lakh या कम, (OBC CREAMY LAYER) नियमों के अधीन
ऋण सीमा : Rs. 20.00 Lakh - Professional Job Oriented Degree Courses के लिए देश में अध्ययनरत हेतु अधिकतम 5 वर्ष @ Rs. 4.00 प्रतिवर्ष और विदेश में अध्ययन हेतु Rs. 30.00 Lakhs 5 वर्ष @ Rs. 6.00 Lakh प्रतिवर्ष के दर से
ब्याज दर : 8% विद्यार्थीयों एवं 5% विद्यार्थिनियों के हेतु

Contact numbers of the channelising agency

BANGALORE - 560 001	: 080-22861226 (MD)	DELHI - 110 085	: 011-275706	LUCKNOW - 226 001	: 0522-2236976(MD)
BHOPAL - 462 001	: 0755-2676920	GANDHINAGAR - 382 010	: 079-23253757	MADHYA PRADESH	: 0755-2660209 (MD)
CHHATISGARH	: 0771-4248601	HYDERABAD - 500 001 (A.P.)	: 040-23244500	MUMBAI - 400 023	: 022-22633351
CHENNAI - 600 002	: 044-2851484	JAIPUR - 5	: 0141-2220721 (Telefax)		

ऋण प्राप्ति हेतु NMDFC या उनकी एजेंसियों के जिला स्तरीय कार्यालय में संपर्क करें.

महाराष्ट्र राज्य के विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण सूचना

केन्द्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री के 15 सूत्री कार्यक्रम के अन्तर्गत "मेरिट कम–मीन्स" योजना में छात्रवृत्ति आवेदन करने वाले विद्यार्थियों हेतु महाराष्ट्र सरकार के अल्पसंख्यक विकास विभाग ने शासन निर्णय क्रमांक अविवि–2014/प्र.क्र.003/14/कार्या–6 द्वारा पारिवारिक वार्षिक आय की सीमा 2.5 लाख से बढ़ाकर 6 लाख की गई है. ज्ञातव्य रहे कि यह नियम मात्र महाराष्ट्र राज्य के उन विद्यार्थिओं हेतु प्रभावी है जो उच्च तकनीकी व व्यावसासयिक शिक्षण प्राप्त कर रहे है. अधिक जानकारी हेतु विद्यार्थी www.maharashtra.gov.in लॉग ऑन करें.

अभिभावक ध्यान दें

यदि आपके बच्चे विद्यालयी शिक्षण प्राप्त कर रहे हैं व दसवीं कक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण नहीं की है तो विद्यालय में दर्ज़ आपके पुत्र/पुत्री का रिकॉर्ड चेक करें. यदि नाम के पश्चात जाति व धर्म के कॉलम में जैन के अतिरिक्त हिन्दु–जैन, श्वेतांबर जैन, दिंगबर जैन या अन्य कुछ भी लिखा है तो उसे मात्र जैन करवाने हेतु विद्यालय प्रधानाचार्य को प्रार्थना पत्र दें. राज्यों के नियमानुसार वह प्रक्रिया पूर्ण करें जिसकी विद्यालय या शिक्षा विभाग हेतु आपको सलाह दे.

स्कूल लिविंग सर्टीफिकेट जिसमें विद्यार्थी के नाम के पश्चात धर्म व जाति के कॉलम में मात्र जैन लिखा होगा तो वह श्रेष्ठ व योग्य प्रमाणपत्र होगा तथा आजीवन किसी भी प्रभार के अल्पसंख्यक लाभ लेने हेतु अल्पसंख्यक प्रमाणपत्र कीआवश्यक्ता नहीं रहेगी.

यह सलाह उन विद्यार्थिओं हेतु है जो अभी कक्षा 1 से लेकर 10 कक्षा में है. विद्यार्थी के 11 वीं कक्षा में आने के पश्चात रिकॉर्ड बदलवाना संभव नहीं होगा.

आय प्रमाणपत्र की अब आवश्यक्ता नहीं

प्रधानमंत्री के 15 सूत्री कार्यक्रम के तहत् विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने हेतु सरकार द्वारा जारी आय प्रमाणपत्र अब आवश्यक नहीं रहे. केन्द्र सरकार के अल्पसंख्यक मंत्रालय ने ऑफिस मेमोरण्डम् क्रमांक 1-9/2014 दिनांक 21जुलाई 2015 द्वारा सभी राज्यों को इस संबंध में अधिसूचना जारी करते हुए निर्देश दिया है कि धर्म, आय का प्रमाणपत्र व गत वार्षिक परीक्षा की मार्कशीट लाभार्थी स्वयं सत्यापित (self declaration / self certifications/ self attestation) कर सकेंगे, जो मान्य रखा जायेगा.

किन्तु अब तक राजस्थान व कर्नाटक राज्य सरकारों ने जिला स्तरीय कार्यालयों को इस संबंध मे आदेश जारी किये है. अन्य राज्यों में जब तक राज्य सरकारे संबंधित सरकारी विभाग को निर्देश या अधिसूचना जारी नहीं करती, विद्यार्थियों को सलाह दी जाती है कि वे सरकार द्वारा जारी प्रमाणपत्र आवेदन पत्र साथ लगायें.

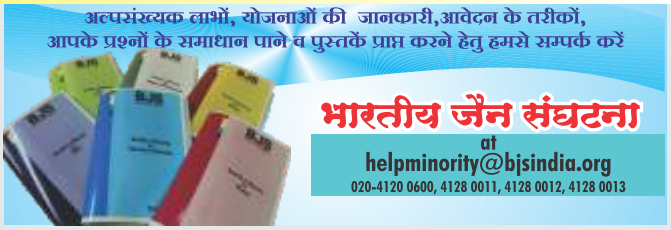

BJS भारतीय जैन संगठन

for young entrepreneurs

Aspiring entrepreneurs who have genuine passion & inclination towards business to win a Chance and make it Big should not miss!

Grab the opportunity to visit 6 premier business cities in 6 days

Eligibility Criteria:

Age : 25-40 years

2nd week-long enriching

Business Exposure Tour

- experience the unique success stories of leading business personalities of the nation
- Visit premier management institutes
- Orientation sessions with the academicians

–iBuDigniting Business Development

28th September to 3rd October 2015

Places to Visit: **Chennai Bengaluru Hyderabad Mumbai Ahmedabad Pune**

Registrations Open

Register at : **http://bjsindia.org/ibudapp.php**

For additional information contact:
R. Dipti Beohar at BJS Head Office: 020 41280011/12/13

iBuD IGNITING BUSINESS DEVELOPMENT

Book-Post

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana
Muttha Towers, Loop Road,
Near Don Bosco Church, Yerawada, Pune 411006
Tel.: 020 4128 0011, 4128 0012, 4128 0013
Website : www.bjsindia.org E mail : info@bjsindia.org
Facebook : www.facebook.com/BJSIndia